Page No.: 01
Date 15.05.20

PREJUDICE (पूर्वाग्रह, पक्षपात) And DISCRIMINATION (भेदभाव).

पूर्वाग्रह का तात्पर्य किसी व्यक्ति में संचित उन भावनाओं से है जिसके कारण वह किसी व्यक्ति अथवा समूह के प्रति सकारात्मक व नकारात्मक रूझान रखता है। सामान्य रूप में सामाजिक विकास के दौरान व्यक्ति जिन परिस्थितियों में पलता है उनके आधार पर उसके मन में पूर्वाग्रह का निर्माण होता है। बचपन में जिन चीजों अथवा व्यक्तियों से उसे लाभ होता है वह उसे सकारात्मक रूप में देखता है; वहीं जिन चीजों के बारे में उन्हें गलत ढंग से बताया जाता है उनके बारे में उसके मन में नकारात्मक रूझान उत्पन्न हो जाते हैं। पूर्वाग्रह से प्रभावित व्यक्ति वास्तविकता से अनभिज्ञ रहते हुए विशेष समूह और लोगों के प्रति भेदभाव पूर्ण व्यवहार करने लगता है।

भेदभाव, जब पूर्वाग्रह को अधिक व्यवहार में व्यक्त किया जाता है, तो इसे भेदभाव कहा जाता है भेदभाव को लक्षित समूह के सदस्यों की ओर पूर्वनिर्धारित समूह के सदस्यों द्वारा भेदभावपूर्ण उपचार, मौखिक आक्रमकता, हिंसक व्यवहार आदि के रूप में व्यक्त किया जाता है। मानव जाति के इतिहास में नस्लीय, जातीय और लैंगिक आधार पर भेदभाव के कई उल्लेखनीय उदाहरण हैं। उदाहरणस्वरूप दक्षिण अफ्रीका ने रंगभेद का एक लंबा इतिहास देखा है जहाँ मूल निवासी अश्वेत, एशियाई अफ्रीकी और अन्य ~~अफ्रीकी~~ रंगीन नस्लीय समुदायों को समाज में कई बुनियादी सुविधाओं से वंचित

किया गया था। अपने चरम स्तर पर, लक्षित नस्लीय समुदायों को उनके घरों से हटा दिया गया था और उन्हें निर्दिष्ट सीमित स्थानों में निवास करने के लिए मजबूर किया गया था।

आधुनिक कानूनी प्रावधानों, लोकतांत्रिक सामाजिक मानदंडों का प्रभाव, प्रतिशोधी परिणामों का डर आदि लोगों को लक्षित सामाजिक समूहों के प्रति भेदभावपूर्ण व्यवहार में अत्यधिक व्यस्त रहने से रोकते हैं। इसलिए, पूर्वाग्रहों को प्रच्छन्न रूपों में अधिक बार व्यक्त किया जाता है।

Meaning of Prejudice (पूर्वाग्रह) :

अंग्रेजी के शब्द 'Prejudice' को हिन्दी में पूर्वाग्रह, पक्षपात, पूर्वधारणा, पूर्व निर्धारित निर्णय या मिथ्या धारणा आदि अनेक शब्दों से अभिव्यक्त किया जाता है। यह लैटिन भाषा के शब्द 'Prejudicium' का ही प्रचलित रूप है। यह Prejudicium शब्द 'Pre' और 'Judicium' शब्दों से मिलकर बना है जिसका अर्थ पूर्व और निर्णय है। पूर्वाग्रह शब्द का अर्थ किसी व्यक्ति, वस्तु, घटना या तत्व के सम्बन्ध में पूर्व निर्णय है। पूर्वाग्रह के कारण ही समाज में तनाव और संघर्ष उत्पन्न होती है। जाति और भाषा के आधार पर ही समस्याएं पूर्वाग्रह के कारण उत्पन्न होती है।

Scanned with CamScanner

Definitions of Pregudice:

* Ogburn के अनुसार, "पक्षपात जल्दबाजी में किया गया एक ऐसा निर्णय या मत है जो बिना उपयुक्त परीक्षण के ही अस्तित्व में आ सकता है।" (Pregudice is a hasty judgement or an opinion formed without due examination.)

* किम्बाल यंग के अनुसार -
"पक्षपात रूढ़ि युक्तियों, लोकगाथाओं तथा पौराणिक कथाओं के संगठन से बनता है जिसमें एक व्यक्ति द्वारा समूह का समग्र रूप में वर्गीकरण करने, उनकी विशेषताएँ ज्ञात करने तथा परिभाषित करने में समूह-संज्ञा या प्रतीक का प्रयोग किया जाता है।" (A Pregudice is a composite of stereotype myths and legends in which a group label or symbol is used to classify, characterise and define an individual or a group considered as a totality)

* शेरिफ और शेरिफ के अनुसार -
"समूह पूर्वाग्रह एक समूह के सदस्यों की ऋणात्मक अभिवृत्ति है जो इस समूह के मानदण्डों से निष्कर्ष स्वरूप निकलती है। यह दूसरे समूह या उसके सदस्यों के प्रति होती है।" (Group pregudice may be defined as the negative attitude of group members, derived from their established norms, towards another group and its members.)

Scanned with CamScanner

Page No.: 04

* सीकोर्ड और बैकमैन के अनुसार -

"पूर्वाग्रह वह अभिवृत्ति है जो किसी समूह या उसके सदस्यों के प्रति अनुकूल अथवा प्रतिकूल ढंग से सोचने, प्रत्यक्षीकरण करने, अनुभव करने और क्रिया करने के पहले ही व्यक्ति को तत्पर बना देती है।" (Prejudice is an attitude that Predisposes a person to think, perceive, feel and act in favourable and unfavourable ways towards a group or its individual members")

* मायर्स के अनुसार, " पूर्वाग्रह एक समूह और उसके सदस्यों के प्रति एक अनुचित नकारात्मक मनोवृत्ति है।" (Prejudice is an unjustifiable negative attitude towards a group and its individual members.")

उपर्युक्त परिभाषाओं के विश्लेषण के आधार पर कहा जा सकता है कि, पूर्वाग्रह वह निर्णयात्मक अनुचित अभिवृत्ति है जो किसी समूह या उसके सदस्यों के प्रति होती है। पूर्वाग्रह अनुकूल अथवा प्रतिकूल ढंग से प्रत्यक्षीकरण करने, सोचने, अनुभव करने और क्रिया करने के लिए व्यक्ति को पहले से ही तत्पर बना देती है। उपर्युक्त परिभाषाओं ~~के~~ ~~मेह~~ में तकनीकी दृष्टि और प्रत्यय की दृष्टि से सीकोर्ड और बैकमैन द्वारा जो परिभाषा प्रस्तुत की गई है वह हर दृष्टिकोण उपयुक्त प्रतीत होती है।

उपर्युक्त परिभाषा के आधार पर कहा

Scanned with CamScanner

जा सकता है कि पूर्वाग्रह अनुचित धनात्मक अभिवृत्ति है या अनुचित ऋणात्मक अभिवृत्ति है। बहुधा समाज में यह अनुचित ऋणात्मक अभिवृत्ति के रूप में पायी जाती है। यही कारण है कि मार्क्स ने अपनी परिभाषा में पूर्वाग्रह को ऋणात्मक अभिवृत्ति के रूप में माना है। अनुचित ऋणात्मक पूर्वाग्रह जब किसी व्यक्ति में होता है तब व्यक्ति का प्रत्यक्षीकरण करना, सोचना, अनुभव करना और क्रिया करना सभी में घृणा और तिरस्कार सम्बन्धित अभिवृत्ति दिखायी देती है। पूर्वाग्रह किसी भी व्यक्ति वस्तु घटना आदि के सम्बन्ध में हो सकता है। यह लाभप्रद कम और हानिकारक ज्यादा होता है। पूर्वाग्रह की उपस्थिति में सामाजिक दूरी और कटुता बढ़ती है। इन पूर्वाग्रहों से व्यक्ति, समूह और समाज को लाभ कम और हानि अधिक मिलता है।

पूर्वाग्रहों की उपस्थिति में व्यक्ति सभी प्रकार का प्रत्यक्षीकरण ही नहीं करता है बल्कि इस प्रकार से सोचता है अनुभव करता है और व्यवहार भी करते हैं।

उपरोक्त वर्णन के आधार पर पूर्वाग्रह के सम्बन्ध में निम्नलिखित बिन्दु महत्वपूर्ण हैं जो पूर्वाग्रह के स्वरूप को रेखांकित करता है -

(Nature)

(1) पूर्वाग्रह अनुचित ऋणात्मक अथवा धनात्मक अभिवृत्ति है। पूर्वाग्रह तथ्यों पर आधारित नहीं होता है इसलिए इसे अनुचित कहा जाता है।

Scanned with CamScanner

(ii) पूर्वाग्रह अधिकांशतः एक अवांछित ऋणात्मक अभिवृत्ति के रूप में समाज में पाया जाता है। कुछ मनोवैज्ञानिक यह मानते हैं कि यह केवल ऋणात्मक अभिवृत्ति के रूप में पाया जाता है।

(iii) पूर्वाग्रह के तीन अवयव (Components) होते हैं — (क) संज्ञानात्मक अवयव (Cognitive Component), (ख) भावात्मक अवयव (Affective Component) (ग) व्यवहारात्मक अवयव (Behavioural Component)। इन तीनों अवयवों का उल्लेख सीकार्ड और बैकमैन ने अपनी परिभाषा में किया है।

(iv) पूर्वाग्रह के संज्ञानात्मक अवयव की अभिव्यक्ति रूढ़िवादियों (Stereo-types) के रूप में होती है।

(v) संज्ञानात्मक और भावात्मक अवयवों के रूप में पूर्वाग्रह के कारण व्यक्ति में घृणा / विद्वेष की भावनाएँ उत्पन्न होती हैं।

(vi) व्यवहारात्मक अवयव के रूप में पूर्वाग्रह के कारण व्यक्तियों में विभेद और अलगाव जैसे व्यवहार उत्पन्न होते हैं।

(signature) 18/05/20

Dr. S. K. Suman
Asst. Prof
Dept of Psychology
Marwari College, Darbhanga

Scanned with CamScanner